विदर्भ स्वाभिमान

RNI NO. MAHHIN / 2010 /43881

संपादक : सुभाषचंद्र दुबे

प्रबंधक : सौ. विणा एस. दुबे

❖ अमरावती, गुरूवार 8 से 14 फरवरी 2024 ❖वर्ष :14 ❖ अंक- 33 ❖ पृष्ठ 9 ❖ मूल्य - 4/- पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2022-2024 ❖डाक : शुक्रवार-शनिवार

बाबूजी के आदर्श विचार

पूज्य बाबूजी का जीवन सिद्धांत

पूज्य बाबूजी कहते थे कि घर को चलाने का काम पिता करता है. लेकिन आदर्श पीढ़ी के निर्माण की जिम्मेदारी मां पर होती है. लेकिन जब पिता तो अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभाता है लेकिन आधुनिकता के साए में महिलाओं द्वारा बच्चों पर ध्यान नहीं दिया जाता है तो निश्चित तौर पर पीढ़ी के निर्माण की दिक्कत होती है. संस्कारों के अभाव में ही बुढ़ापे में माता-पिता पर वृद्धाश्रम जाने की नौबत आती है. इसलिए धन कम रहा तो चलेगा, संस्कार मजबूत होना चाहिए.

लोकसभा में वित्त विधेयक को मिली मंजूरी

चुनावी वर्ष से उपयुक्त प्रावधानों के अतिरिक्त नहीं किया कोई परिवर्तन, विकास को प्राथमिकता

विदर्भ स्वाभिमान,7 फरवरी

नई दिल्ली- लोकसभा ने बुधवार को वित्त विधेयक, 2024 को मंजूरी प्रदान की. सदन ने चर्चा और वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी के जवाब के बाद वित्त विधेयक, 2024' को ध्वनिमत से स्वीकृति प्रदान की.चौधरी ने चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि आयकर की दरों में किसी भी प्रकार का कोई बदलाव नहीं किया गया है. उन्होंने कहा कि लगभग एक करोड़ प्रत्यक्ष करदाताओं को लाभ पहुंचाने के लिए 2009-10 की 25,000 रुपए और 2010-11 से 2014-15 तक की 10,000रूपए की मांग को वापस लिया जाएगा.सरकार ने इस बजट को सराहा.

चौधरी ने कहा कि चुनावी वर्ष होने के बावजूद सरकार ने उपयुक्त प्रावधानों के अतिरिक्त और किसी प्रकार का परिवर्तन नहीं करते हुए अंतरिम बजट के माध्यम से देश के विकास को प्राथमिकता दी है और 2047 तक विकसित भारत' बनाने की यात्रा में एक और महत्वपूर्ण पड़ाव पार किया है.यह कर्ज कोई अच्छी बात है? विधेयक पर चर्चा की शुरुआत करते हुए कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने कहा कि 2020-21 के बाद से राजकोषीय घाटा उच्चतम स्तर पर चला गया है. तिवारी ने कहा-2015 में भारत की अर्थव्यवस्था का आकार 2.4 हजार अरब डॉलर था तथा कुल कर्ज 55.87 लाख करोड़ रुपए था और अब जब अर्थव्यवस्था का आकार 3.75 हजार अरब डॉलर है तो सरकार का कर्ज 168 लाख करोड़ रुपए हो गया है." उन्होंने कहा, यह कर्ज कोई अच्छी बात है? यह आने वाली पीढ़ियों के लिए भार है." कांग्रेस नेता ने दावा किया कि अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर **शेष पेज 2 पर**

पाकिस्तान में आज आम चुनाव

चप्पे-चप्पे पर सुरक्षा जवानों की तैनाती,लाखों जवान तैनात

इस्लामाबाद- पाकिस्तान में आम चुनाव के लिए बृहस्पतिवार को मतदान होगा और ऐसा माना जा रहा है कि दौड़ में सबसे आगे चल रहे पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को सेना का समर्थन प्राप्त है.आम चुनाव की पूर्व संध्या पर बुधवार को हिंसा की घटनाएं भी हुईं. बलूचिस्तान प्रांत में चुनाव कार्यालयों को निशाना बनाकर किए गए दो बम विस्फोटों में कम से कम 30 लोग मारे गए और 40 से अधिक घायल हो गए.चुनाव को लेकर व्यापक प्रबंध किया गया है. बड़े पैमाने पर पुलिस तथा अर्धसैनिक बलों की तैनाती की गई है है.

पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के जेल में होने के कारण, शरीफ की पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) चुनाव में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभर सकती है. खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के उम्मीदवार निर्दलीय के रूप से चुनाव लड़ रहे हैं क्योंकि उच्चतम न्यायालय ने उनकी पार्टी को उसके चुनाव चिह्न क्रिकेट बल्ला' से वंचित करने संबंधी निर्वाचन आयोग के फैसले को बरकरार रखा है. चुनाव में 12.85 करोड़ से अधिक पंजीकृत मतदाता मतदान करते हुए नई सरकार तय करेंगे. गुरूवार को होने वाले चुनाव में 74 वर्षीय शरीफ की नजर रिकॉर्ड चौथी बार प्रधानमंत्री बनने पर होगी.

संपादकीय

घटती मेहनत और बढ़ती निराशा घातक

वर्तमान में युवाओं में मेहनत, लक्ष्य निर्धारित करने की प्रवृत्ति घट रही है और अन्यों से स्पर्धा खर्चीले मामले में करने की प्रवृत्ति बढ़ रही है. अपेक्षाएं बहुत अधिक और मेहनत की तैयारी नहीं रहने के कारण आधे से अधिक घरों में तनाव, तनाव से डिप्रेशन, इससे स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बढ़ने के साथ ही जिस तरह से आत्महत्या की प्रवृत्ति बढ़ रही है, इस पर गहन विचार किया जाना जरूरी है. पहले अभावों से शुरूवात होती थी, जीवन का लक्ष्य स्वयं बच्चे तय करते थे. कई बार अनपढ़ माता-पिता की स्थिति के मुताबिक स्वयं को ढालने के साथ ही मेहनत के साथ घर की जिम्मेदारी भी बचपन से ही संभालने का अनुभव मिलता था. वे जीवन में परिपक्व हो जाते थे. लेकिन आज यह स्थिति नहीं रही है. जीवन में प्रभु द्वारा जो जिम्मेदारी दी जाए, उसे बेहतरीन तथा समर्पण भाव से निभाने की मानसिकता रहने पर उसमें कामयाबी निश्चित रहती है. मेहनत, लगन और समर्पण ही कामयाबी का सूत्र होता है. कोई काम छोटा या बड़ा नहीं समझते हुए उसे पूरा करने का प्रयास किया जाता था. पिता बच्चों के भविष्य संवारने तथा मां घर के आदर्श संस्कार की जननी कही जाती थी. आज कई बार मोबाइल के दौर में पारिवारिक संवाद तो कम हो गया है. घर में रहते सभी हैं लेकिन मोबाइल पर सोशल मीडिया से हाल-चाल जानते हैं लेकिन घर में माता-पिता का हाल-चाल जानने की फुर्सत नहीं रहती है. कहने के बाद व्यस्तता का बहाना कर दिया जाता है. यह किसी एक घर नहीं बल्कि घर-घर की कहानी है. स्थिति यह आगामी समय के लिए अत्याधिक खतरनाक है. यदि सभी लोग बेहतरीन तरीके से निभाएं तो निश्चित ही जीवन में सफलता के साथ ही समाज और राष्ट्र की सफलता भी तय रहती है.

शिक्षा से ही व्यक्ति संवरता है. आगामी पीढ़ी के लिए आज शिक्षा के अनगिनत साधन आ गए हैं. जीवन में अच्छी सोच और मेहनत ही हर तरह की कामयाबी दिलाती है. इसलिए सदैव अच्छी सोच के साथ ही दूसरों को खुशी देने का प्रयास करना चाहिए. घरों में जो डर पहले संयुक्त परिवार का रहता था, वह जब से हम दो,हमारे दो का फार्मूला लागू हुआ, प्राइवेसी के नाम पर आज जिस तरह से बच्चों का जीवन बिगड़ता जा रहा है, माता-पिता के प्रति ममता कम हो रही है और बुढ़ापे में माता-पिता पर तकलीफें झेलने की नौबत आ रही है, यह सोचनीय विषय है. सामाजिक ताना-बाना बिगड़ता जा रहा है, आत्मीयता, लगाव और आपसी प्रेम कम होकर उसके स्थान पर आज तनाव, एक-दूसरे को नीचा दिखाने और स्वयं को बड़ा और दूसरे को तुच्छ समझने वाली मानसिकता बढ़ी है. पहले साधन कम थे लेकिन कोई भी काम करने की जिद बहुत थी, हर व्यक्ति जिंदगी को युद्धक्षेत्र मानते हुए अंतिम सांस तक लड़ने वाली मानसिकता में रहता था. लेकिन आज स्थिति यह है कि छोटी सी परेशानी से लोग विचलित हो जाते हैं, इस समय यह भी नहीं सोचते कि जब हमारे पंजे की पांचों अंगुलियां एक जैसी नहीं हैं तो जिंदगी में सदैव एक जैसे दिन कैसे हों गे.बुरी संगत में बच्चे लगने से बचपन से व्यसनाधीन हो रहे हैं. पढ़ाई के साथ ही जीवन किस तरह जीना चाहिए और मुसीबतों का सामना कैसे करना चाहिए, इसका भी क्लास लेने की नौबत आज आ गई है.

अभिनंदन की कामयाबी का राज

विदर्भ स्वाभिमान
राय बताएं-9423426199

मराठी में कहावत है कि जो काम राजा नहीं कर सकता है, वह काम पूरा गांव मिलकर कर सकता है. कुछ इसी तरह सहकारिता का सिद्धांत रहता है. सभी के साथ से ही सभी का विकास होता है. सहकारिता क्षेत्र में अपार संभावना होती है. सहकारिता के माध्यम से बड़ा से बड़ा काम किया जा सकता है. सहकारिता क्षेत्र रोजगार का सबसे बड़ा मूल मंत्र हो सकता है. इसलिए जितना संभव हो सहकारिता आंदोलन को बढ़ावा देने का प्रयास होना चाहिए. लेकिन विदर्भ में इस बात से कोई इंकार नहीं कर सकता है कि आपसी मतभेदों के कारण यह उतना ताकतवर नहीं हो पाया, जितना अपेक्षित था. लेकिन आज भी विदर्भ की कई ऐसी सहकारी बैंकें हैं, जिन्होंने इस बात को साबित किया है. अभिनंदन अर्बन बैंक भी उनमें से एक है. इस बैंक के अध्यक्ष के साथ ही संचालकों की हर मामले में आमसहमति, ग्राहकों के विश्वास को जीतने के साथ ही संचालक मंडल और कर्मयोगियों के बीच का बेहतरीन समन्वय निश्चित तौर पर अन्यों के लिए आदर्श है. बैंक के अध्यक्ष एड. विजय बोथरा स्वयं आयकर के जाने-माने वकील हैं, वहीं प्रबंधन बोर्ड के अध्यक्ष सुदर्शन गांग के साथ ही संचालक मंडल एक सुर वाले हैं. मुख्य कार्यकारी अधिकारी शिवाजी देठे, उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी अनिल उगले के साथ ही सभी अधिकारी जिस तरह से बैंक में सेवा देते हैं, कर्मठता का परिचय देते हुए ग्राहकों के हरसंभव सेवा देने का प्रयास करते हैं, उससे बैंक की दिन दूनी और रात चौगुनी प्रगति हो रही है. वरूड़ में बैंक की शाखा भी अन्य शाखाओं की तरह ही ग्राहकों को बेहतरीन सेवा देकर अपना नाम रोशन करेगी, इसमें किंचित संदेह नहीं है.

सहकारी भावना से समता, भातृ-भावना, आत्मविश्वास, व्यवस्था कौशल आदि व्यावहारिक एवं नैतिक गुणों का विकास होता है जो समाज एवं राष्ट्र की समृद्धि लिए आवश्यक है. सहकारिता आन्दोलन आर्थिक दृष्टि से निर्बल व्यक्तियों के उस आन्दोलन को कहते हैं जो स्वेच्छा से आर्थिक हितों की पूर्ति हेतु बनाया जाता है.विदर्भ के पिछड़ेपन का एक कारण सहकारिता क्षेत्र की प्रगति का अभाव कहा जा सकता है. मिल जुल कर बड़े से बड़ा काम आसानी से किया जा सकता है. सभी का विकास तभी हो सकता है. जब हम अपना लाभ छोड़कर सबके लाभ के लिए कार्य करे.अभिनंदन बैंक का संचालक मंडल इसी सिद्धांत पर काम करता है. यह सहयोग की भावना से ही संभव है, इस तरह मिल-जुलकर कार्य करना ही सहकारिता का आधार है.

भारत में सहकारिता आंदोलन में हम कोआपरेटिव का महत्व, इसके लाभ इतिहास अर्थ व परिभाषा तथा सिद्धांत पर यह निबंध भाषण तैयार किया गया है.साधारण शब्दों में संगठित रूप से व्यक्ति आपसी सहयोग के साथ जो कार्य करते है, उसे हम सहकारिता कहते है. अकेले व्यक्ति के पास इतने साधन नही होते है कि वह अपना आर्थिक विकास स्वयं कर सके. यदि लोग आपस में संगठित होकर किसी कार्य को करते है, तो बड़े से बड़ा मुश्किल काम आसान बन जाता है. अभिनंदन बैंक जहां इस तरह की नीतियों पर चलने वाली बैंक है, वहीं संचालक मंडल का समर्पण, जनहित वाली सोच और सदैव अच्छा करने की दिशा में सभी का समन्वय निश्चित ही बैंक को आगे बढ़ाने में कामयाब रहेगा.इस प्रकार लोग आपस में मिलकर अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने व विकास का प्रयास करते है. सहकारिता में समाज के निर्धनतम एवं कमजोर व्यक्ति का हित भी निहित होता है.अभिनंदन बैंक सदैव आगे रहती है. इसमें आर्थिक उद्देश्य के साथ साथ नैतिक एवं सामाजिक उद्देश्यों को भी शामिल करने का सदैव संचालक मंडल का प्रयास ही अभिनंदन बैंक की कामयाबी का सबसे बड़ा राज है.

वित्त विधेयक को मिली मंजूरी

पेज 1 से जारी- कर्ज लेने से प्रभावित हो रही है. उन्होंने कहा कि कॉरपोरेट कर में कटौती के कारण सरकार को 1.45 लाख करोड़ रुपये का घाटा हुआ है. उन्होंने कहा कि अगर सरकार के पूंजी व्यय से अर्थव्यवस्था बढ़ रही है तो इसका आकलन करना होगा कि पूंजीपतियों को कर में दी गई रियायत से क्या लाभ हुआ है.

कई झंझटों से मुक्ति मिली

तिवारी ने कहा-हमें इस पर कोई आपत्ति नहीं है कि 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन दिया जा रहा है, लेकिन सरकार को बताना चाहिए कि रोजगार का क्या हो रहा है." भाजपा के सुभाष चंद्र बहेड़िया ने कहा कि मोदी सरकार के आने के बाद कर व्यवस्था में सुधार हुआ और करदाताओं की संख्या बहुत बढ़ गई है. उन्होंने कहा कि इस सरकार में कर फाइल करने की व्यवस्था का सरलीकरण हुआ है. बहेड़िया ने कहा कि जीएसटी लागू होने से लोगों को कई प्रकार के करों के झंझट से मुक्ति मिली है तथा सरकार का राजस्व भी बढ़ा है. वित्त विधेयक मंजूरी के साथ ही भाजपा के सांसदों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का गुणगान करते हुए क हा कि प्रधानमंत्री की नीति और साफ नियत के कारण ही देश का चहुंतरफा विकास और पूरे विश्व में सम्मान बढ़ रहा है. उनके मुताबिक देश में हर व्यक्ति के साथ न्याय करने की नीति पर ही मोदी सरकार काम कर रही है. भाजपा सांसद रामकृपाल यादव के मुताबिक हर क्षेत्र के विकास को बिना किसी राजनीतिक भेदभावके न्याय देने का प्रयास किया जा रहा है. यही कारण है कि संतुलित विकास देश में हो रहा है.

बसपा के मलूक नागर ने मांग की कि गंगा नदी के दोनो तरफ बांध बनाने के लिए उचित आवंटन किया जाए. उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह, बसपा के संस्थापक कांशी राम, पूर्व केंद्रीय मंत्री राजेश पायलट और किसान नेता महेंद्र सिंह टिकैत को भारत रत्न' देने की मांग की. भाजपा सांसद रामकृपाल यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की नीति और नीयत के चलते देश का चौतरफा विकास हो रहा है. उन्होंने कहा, जो राम को लाए हैं, हम उनको लाएंगे. जिनको हम लाएंगे वो कृष्ण को लाएंगे." कांग्रेस सांसद रवनीत सिंह बिट्टू ने कहा कि किसानों के साथ सरकार को बातचीत करनी चाहिए और उनका कर्ज माफ किया जाना चाहिए.

भाजपा की सुनीता दुग्गल ने कहा कि सरकार के प्रयासों से कर संग्रह बढ़ गया है और करदाताओं की संख्या बढ़ गई है. कांग्रेस के अधीर रंजन चौधरी ने चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि सरकार से अंतरिम बजट में करों में और राहत की अपेक्षा थी, लेकिन सरकार ने आम आदमी को कोई राहत नहीं दी है.उन्होंने सरकार को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि दुनिया में कोई भी ताकत कांग्रेस का सफाया नहीं कर पाएगी.

चौधरी ने कहा कि सरकार को प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाकर उसकी जगह जूट के उपयोग को बढ़ावा देना चाहिए जिसे गोल्डन फाइबर' कहा जाता है. बीजू जनता दल के भर्तृहरि महताब, कांग्रेस सांसद के. जयकुमार, निर्दलीय नवनीत राणा, बसपा की संगीता आजाद, कांग्रेस के अमर सिंह और कुछ अन्य सदस्यों ने चर्चा में भाग लिया.

सांसद नवनीत राणा ने वित्त विधेयक को जनता के कल्याण के साथ ही देश का विकास करने वाला बताते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की सराहना करते हुए कहा कि चुनावी वर्ष होने के बाद भी मोदी सरकार ने देश के विकास को अत्याधिक महत्व देने का प्रयास किया. बजट से देश के विकास को पंख लगने की बात भी सांसद नवनीत राणा ने कही.

विदर्भ स्वाभिमान
यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है.मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189.अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र,साहित्य,लेखकों,कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.Email-vidarbh.swabhiman@gmail.com,www.vidarbhswabhiman.com

सेवाभाव रहने पर जीवन में नहीं आता है कभी अभाव

साक्षात्कार में व्यवसायी डॉ. राजेन्द्र नवाथे ने बताया

प्रतिनिधि, 7 फरवरी

अमरावती - शहर के सुख्यात आयुर्वेद चिकित्सक, मेडिकल व्यवसायी राजेन्द्र नवाथे न केवल शहर बल्कि समूचे विदर्भ में जितने सफल व्यवसायी के रूप में पहचाने जाते हैं, उतने ही बेहतरीन इंसान के रूप में पहचाने जाते हैं. उनके मुताबिक मानवता की सेवा सबसे बड़ा धर्म और ईमानदारी से किया गया कर्म सबसे बड़ा पुण्य का काम होता है. इसलिए हर व्यक्ति को अपने स्तर पर इसका प्रयास करना चाहिए. उनके मुताबिक सेवा से जो सुकून मिलता है, वह अन्य किसी से भी नहीं मिल सकता है. बहुगुणी व्यक्तित्व डॉ. राजेन्द्र नवाथे स्वयं भी इसी सिद्धांत पर चलते हैं और किसी की भी मदद और मार्गदर्शन करने के लिए सदैव तत्पर रहते हैं. उनके जन्मदिन पर विदर्भ स्वाभिमान परिवार की हार्दिक शुभकामनाएं. सफलतम व्यवसायी, संगीत प्रेमी तथा सेवाभावी व्यक्तित्व राजेन्द्र नवाथे का. जितने अच्छे व्यवसायी हैं, वे भजन के बेहतरीन गायक भी हैं. उनके मुताबिक अध्यात्म से मन को शांति और सुकून मिलता है. सेवाभाव इतना है कि कृष्णार्पण कॉलोनी में भी सेवाभावी अस्पताल सभी के सहयोग से शुरू किया. सालभर से सेवा चल रही है. उनके मुताबिक धन दौलत व्यक्तिकी जरूरत है, इससे इंकार नहीं किया जा सकता लेकिन इसके साथ ही सामाजिक सेवा, मानवता की सेवा जैसे सद्गुणों से व्यक्ति लोगों के दिलों में स्थान बनाता है. नवाथे परिवार सामाजिक तथा नेक कामों में भी सदैव अग्रणी रहता है. नवाथे चौक, कृष्णार्पण कॉलोनी में लोगों की भीड़ इसका प्रतीक है. मरीजों को समुचित राय देने के अलावा आर्थिक स्थिति के मुताबिक सहयोग की भावना सदैव रहती है. यही कारण है कि 6 फरवरी को राजेन्द्र नवाथे के जन्मदिन पर हजारों की संख्या में मित्रों ने उन्हें जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दी.

उनके मुताबिक मेहनत, ईमानदारी, काम के प्रति समर्पण ऐसी खूबी है, जिससे मानसिक संतुष्टी और समर्पण मिलता है. मेहनत तथा ईमानदारी जीवन में कुछ लोगों का साथ, उनका आशिर्वाद और उनका स्वभाव सभी के लिए सदैव प्रेरणादायी रहता है. राजेन्द्र भाऊ नवाथे के घर में ही वैद्यकीय सेवा करने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है. स्वयं आयुर्वेदिक डाक्टर रहने के साथ ही मेडिकल व्यवसाय में सेवा को चार दशक से अधिक समय हो गया है. कांग्रेस के पदाधिकारी सहित वे अनगिनत संगठनों से जुडे हैं. इनके माध्यम से सेवा का काम लगातार चलता रहता है. अपने जन्मदिन पर हजारों लोगों द्वारा फोन, वाटसअप के साथ ही मुलाकात कर शुभकामनाएं देने पर सभी के प्रति कृतज्ञता जताई है. वे बताते हैं कि उन्हें ईमानदारी, निष्ठा तथा नैतिकता की सीख पिता से ही मिली है.जीवन में कुछ भी आसान नहीं रहता है. हर कामयाबी के पीछे मेहनत, समर्पण तथा संघर्ष रहता है. इसलिए इन्हें जीवन का अभिन्न अंग बनाने की सलाह वे देते हैं. राजेन्द्र भैया के स्वभाव में विनम्रता, शालीनता के साथ वे सदैव किसी को भी समझने और समझाने में सफल रहते हैं. ग्राहकों तथा मित्रों के प्यार को अपने जीवन की सबसे बड़ी दौलत मानते हैं.

विदर्भ स्वाभिमान

जाहीर सुचना	10x2	500
जाहीर सुचना	15x2	1000
बच्चों का जन्मदिन	10x2	500
शादी की वर्षगांठ	10x2	500
नाम में बदल	10x2	500
गुमशुदा	10x2	400
श्रध्दांजलि	10x2	500
पुण्यस्मरण	15x2	1000

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें
विदर्भ स्वाभिमान, छाया कॉलोनी, अमरावती
मो. 9423426199/ 8855019189

सहकारिता क्षेत्र की शान है जिला परिषद शिक्षक सहकारी बैंक : राजेश देशमुख

अमरावती- जिले में शिक्षकों की सहकारी बैंक जिला परिषद शिक्षक सहकारी बैंक जहां आर्थिक रूप से मजबूत है, वहीं दूसरी ओर बैंक की पारदर्शी कार्यप्रणाली के साथ ही जिले ही नहीं तो समूचे विदर्भ में इसे सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है. बैंक के अध्यक्ष और संचालक मंडल के मार्गदर्शन में बैंक द्वारा जिला परिषद शिक्षकों के कल्याण के लिए विभिन्न योजनाओं का संचालन करने के कारण इसकी लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही है. शिक्षकों के साथ ही शेअर होल्डरों का विश्वास ही सबसे बड़ी ताकत होने की बात बैंक कै महाप्रबंधक राजेश देशमुख ने कही. उनके मुताबिक सहकारिता के माध्यम से रोजगार को बढ़ावा देने का व्यापक स्कोप है. पश्चिम महाराष्ट्र की प्रगति में सहकार से कल्याण वाली भूमिका काफी मायने रखती है. बैंक के अध्यक्ष के साथ संचालक मंडल की दूरदृष्टि और बैंक की प्रगति के लिए लगातार किए जाने वाले प्रयासों और इसके साथ ही बैंक के अधिकारियों और कर्मचारियों का समर्पण भाव और बैंक की प्रगति में योगदान देने वाली सोच के कारण ही इस बैंक ने अपार सफलता प्राप्त की है. बैंक के हर सदस्य द्वारा बैंक की प्रगति में योगदान देने का प्रयास ही

बैंक की शानदार कामयाबी का कारण रहने की बात कही.

सहकारिता क्षेत्र की विश्वसनीय और सभी को साथ में लेकर चलने वाली और ग्राहकों का विश्वास जीतने वाली बैंक के रूप में जिला परिषद शिक्षक सहकारी बैंक की ख्याति है. संचालक मंडल के कुशल मार्गदर्शन में बैंक द्वारा लगातार ग्राहकों का विश्वास जीतने में कामयाबी मिल रही है. संस्था में समर्पित पदाधिकारी और कर्मचारी रहने के बाद संस्था प्रगति करती है.बैंक के संचालक तथा पदाधिकारियों के कुशल मार्गदर्शन और ग्राहकों के विश्वास के कारण बैंक ने कई कामयाबी प्राप्त की है.

विदर्भ स्वाभिमान से बातचीत करते हुए सहकारिता क्षेत्र में गहन अभ्यासक और सभी को साथ लेकर और सम्मान देकर काम करने में विश्वास रखने वाले राजेश देशमुख ने कहा कि बैंक अध्यक्ष, संचालक मंडल के समर्पण के कारण ही बैंक ने यह कामयाबी हासिल की है. बैंक के संचालकों की दूरदृष्टि और जनहित में विभिन्न योजनाओं को लाने के साथ ही शिक्षकों के अपार विश्वास के साथ ही बैंक पर जताये जाने वाले विश्वास के लिए उन्हों ने सभी कीसराहना की. उनके मुताबिक बैंक द्वारा सदैव सभी का साथ, सभी शिक्षकों का विकास की तर्ज पर काम करने का प्रयास किया जाता है. उसकी कामयाबी का यही सबसे बड़ा राज रहने की बात राजेश देशमुख ने कही. उनके मुताबिक अधिकारियों और कर्मचारियों के समर्पण के साथ ही ग्राहकों को जल्द और विश्वासनीयसेवा देने में निभाई जाने वाली भूमिका का बैंक की तरक्की में अहम योगदान है.महाप्रबंधक जैसे उच्च पद पर सेवारत रहने के बाद भी राजेश देशमुख की सादगी और किसी भी व्यक्ति से बातचीत करने का लहजा किसी को भी प्रभावित किए बगैर नहीं रहता है. उनके मुताबिक अध्यक्ष और संचालक मंडल की उम्दा सोच और बैंक की प्रगति के लिए लगातार किए जाने वाले प्रयासों के कारण ही बैंक ने यह कामयाबी प्राप्त की है. अधिकारी और कर्मचारियों के काम में समर्पण का इसमें महत्वपूर्ण योगदान है. भविष्य में भी यह इसी तरह रहने और बैंक प्रगति में अग्रणी रहने का विश्वास जताया. सभी के प्रति आभार जताया.

ज़ल के महत्व को पहचानें ,वर्ना भारी हो जाएगी जिंदगी

विदर्भ स्वाभिमान

विशेष संस्कार पहल

ग़र्मी सताए तो पेड़ का महत्व नजर आए

श्री विट्ठलेश सेवा समिति के प्रमुख और अंतराष्ट्रीय कथा प्रवक्ता पंडित प्रदीप मिश्रा बदलते मौसम और पर्यावरण के मामले में सर्वाधिक संवेदनशील रहने वाले आचार्य हैं. उनकी कथाओं में जहां प्रकृति की सुरक्षा को लेकर वे गंभीर रहते हैं. पौधारोपण के साथ ही प्रकृति के महत्व पर उनके प्रवचनों के माध्यम से जहां प्रकाश डालते हैं, वहीं इस काम में स्वयं भी सहभागी होते हैं. यही कारण है कि पर्यावरण सेवा के उनके कामों को ध्यान में रखते हुए अभी तक कई पुरस्कार प्राप्त कर चुके हैं. समूचे देश में शिवालयों की हालत सुधारने में उनका जहां योगदान है, वहीं सनातन धर्म बढ़ाने में सक्रिय हैं.

गिरता जलस्तर बढ़ाएगा समस्या

ज़ीवन में जल का कितना महत्व है, यह हर जीव जंतु जानता है. समय पर पानी नहीं मिले तो स्वास्थ्य संबंधी कितनी समस्याएं पैदा होती हैं यह बताने की जरूरत नहीं है.लेकिन कई लोगों द्वारा प्रकृति के इस वरदान का अपमान किया जाता है. नाहक जरूरत नहीं रहने पर भी हजारों लीटर पानी व्यर्थ किया जाता है. जल के महत्व पहचानने के बाद ही हमारा कल सुंदर रहेगा. यह बात पंडित प्रदीप मिश्रा स्वयं अपनी कथाओं में कहते हैं. इतना ही नहीं तो जल के महत्व के साथ ही प्रकृति के लिए भी सभी से योगदान देने का आग्रह करते हैं. लेकिन दुर्भाग्य कि आज भी पर्यावरण के महत्व क्रो इन्सान नहीं समझ पा रहा है. पेड़ लगाने की बजाय काटने वालों की संख्या अधिक है. बिना आक्सीजन व्यक्ति कुछ देर भी जिंदा नहीं रह सकता है. लेकिन बावजूद इसके पर्यावरण के महत्व को नहीं समझ पा रहा है. उनका कहना है कि मानवता से बड़ा धर्म नहीं है. वे कहते हैं कि मानवता का धर्म सभी के निभाने से निश्चित तौर पर हर व्यक्ति के जीवन में खुशियां आएंगी. धार्मिकता के साथ ही राष्ट्रीयता की भावना को जहां बढ़ाते हैं, वहीं दूसरी ओर मानवता की सेवा के लिए कुबेरेश्वरधाम सदैव समर्पित रहता है. यहां रोज चलने वाला अन्नदान का काम निरंतर चलता है. गरीबों, जरूरतमंदों की मदद के साथ ही अन्य सेवाओं के कारण ही यह केन्द्र देशभर ही नहीं तो विश्वभर में सुख्यात हो रहा है. यहां पर जारी रूद्राष्ट वितरण का अभी तक हजारों लोगों ने लाभ लिया है. यह चमत्कारी रहने का अनुभव कई बताते हैं.

शुभेच्छुक- राजेन्द्र नवाथे मित्र परिवार, विदर्भ स्वाभिमान परिवार, अमरावती.

विदर्भ स्वाभिमान

जीवन भी एक रंगमंच है, हर व्यक्ति को अपना किरदार निभाना पड़ता है. लेकिन वह किस तरह से निभाता है, यह उसके लिए अत्याधिक मायने रखता है. सही तरीके से निभाया गया किरदार कभी भुलाया नहीं जाता है, उसी तरह गलत तरीके से निभाया गया किरदार कभी भुलाया नहीं जाता है. ऐसे में अपना किरदार ऐसे निभाओ कि तुम नहीं रहने के बाद भी लोगों के दिमाग और दिल दोनों में रह जाओ.

जरूरी नम्बर टोल फ्री

विद्युत सेवा	*1912*
पुलिस सेवा	*112*
अग्नि सेवा	*101*
एम्बुलेंस सेवा	*102*
यातायात पुलिस	*103*
आपदा प्रबंधन	*108*
चाइल्ड लाइन	*1098*
रेलवे पूछताछ	*139*
भ्रष्टाचार विरोधी	*1031*
रेल दुर्घटना	*1072*
सड़क दुर्घटना	*1073*
सीएम सहायता लाइन	*1076*
क्राइम सहायता	*1090*
महिला सहायता लाइन	*1091*
पृथ्वी भूकम्प	*1092*
बाल शोषण सहायता	*1098*
किसान काल सेन्टर	*1551*
नागरिक काल सेन्टर	*155300*
ब्लड बैंक	*9480044444*

जिसकी जैसी मति, होती उसकी वैसी ही गति

पंकज मुदगल हैं सेवा समर्पित व्यक्तित्व, मदद को रहता है तत्पर

प्रतिनिधि, 7 फरवरी

अमरावती- समाज में कुछ लोग अपने स्वभाव तथा अच्छी सोच के कारण सम्मान अर्जित करते हैं. ऐसे ही लोगों में पंकज मुद्गल है. सेवा के साथ ही सदैव दिव्यांगों के मामले में गंभीर रहता है. जितना संभव हो मार्गदर्शन मदद करने के लिए तत्पर रहने के कारण ही संस्था पदाधिकारियों का लाड़ला है. जीवन में धन दौलत कमाई जा सकती है लेकिन खोया गया विश्वास,अपनापन कभी नहीं कमाया जा सकता है. इसलिए सदैव कोशिश यह करें कि हम विश्वास की कड़ी को टूटने नहीं देना चाहिए.अच्छी सोच के साथ किया गया काम कभी असफल नहीं होता है. इसलिए अपने मन को साक्षी रखते हुए कोई भी काम करने का प्रयास करें. इससे निश्चित तौर पर हम लोगों का प्यार पाने के साथ ही विश्वास जीतने में भी कामय रहते हैं. इसलिए सदैव अच्छे काम करने का प्रयासकरना चाहिए. इस आशय का मत डॉ. नरेन्द्र भिवापुरकर अंध विद्यालय की कर्मशाला के व्यवस्थापकीय अधीक्षक पंकज मुदगल ने व्यक्त किया. स्वयं भी सेवा के साथ ही सामाजिक कामों में अग्रणी रहने वाले पंकज के मुताबिक नेकी कभी बेकार नहीं जाती है. इसलिए जितना संभव हो सके, करने का प्रयास करना चाहिए.

माता-पिता को जीवन में अत्याधिक महत्व देने वाले पंकज मुदगल अपंग शिक्षक कर्मचारी संगठन के जिलाध्यक्ष के रूप में सेवारत हैं. यहां भी अन्याय तथा अत्याचार के खिलाफ सदैव संघर्ष

की तैयारी रखते हैं. पंकज के मुताबिक दुनिया में सच्चाई से बड़ी ताकत और प्रेम, विनम्रता से बड़ा ब्रह्मास्त्र नहीं है. यह जीवन में जिसके साथ होते हैं, उसकी विजय सदैव होती रहती है. पंकज आज सम्पन्नता में विनम्रता की प्रतिमूर्ति हैं. इतना ही नहीं तो हजारों मित्र परिवार बनाया है. जब स्वार्थ बलवती है, ऐसे दौर में यारों के लिए उसका समर्पण और विश्वास कम नहीं होता है. कुल मिलाकर पंकज मुद्गल सामाजिक कामों में भी उतना ही सक्रिय रहता है, जितना कर्मठता के साथ ड्यूटी निभाता है.

ग्राम पंचायत कार्यालय,तातरा

पंचायत समिति धारणी, जि.प..अमरावती

निविदा पहली वेळ

ग्राम पंचायत कार्यालय,तातरा ता. धारणी जि. अमरावती येथे खालील विकास कामाकरीता नोंदणीकृत कंत्राटदारांकडून बी-1 पद्धतीने निविदा मागविण्यात येत आहे.

अनु. क्रमांक	क़ामाचे नाव	योजनेचे नाव	तांत्रिक मान्यता रक्कम	बयाना रक्कम	निविदा फी	कोऱ्या निविदा मिळण्याचे व भरलेल्या निविदा स्वीकारण्याचा कालावधी	निविदा उघडण्याचा दिनांक व वेळ
1	झिलांगपाटी येथील सार्व.व शासकीय इमारतीचे रेनवाटर हार्वेस्टिंग करणे.	पेसा 2021-2022	170593/-	1700/-	500/-	13-02-2024 ते 20-02-2024 कार्यालयीन वेळेत	दि.22-02-2024 दुपारी 12.00 वाजता.
2	गड़गामालुर येथील सार्व.व शासकीय इमारतीचे रेनवाटर हार्वेस्टिंग करणे.	पेसा 2021-2022	199652/-	2000/-	500/-	13-02-2024 ते 20-02-2024 कार्यालयीन वेळेत	दि.22-02-2024 दुपारी 12.00 वाजता.
3	गड़गामालुर येथील सीमेंट रोड दुरूस्ती करणे.	पेसा 2021-2022	65712/-	650/-	300/-	13-02-2024 ते 20-02-2024 कार्यालयीन वेळेत	दि.22-02-2024 दुपारी 12.00 वाजता.
4	जि.प.शाळा गड़गामालुर येथील किचन शेड दुरूस्ती	पेसा 2022-2023	50000/-	400/-	300/-	13-02-2024 ते 20-02-2024 कार्यालयीन वेळेत	दि.22-02-2024 दुपारी 12.00 वाजता.
5	गड़गामालुर येथील सीमेंट नाली बांधकाम करणे	पेसा 2022-2023	100682/-	1000/-	500/-	13-02-2024 ते 20-02-2024 कार्यालयीन वेळेत	दि.22-02-2024 दुपारी 12.00 वाजता.
6	तातरा येथे चावड़ी ओटा बांधकाम करणे	पेसा 2022-2023	69506/-	700/-	300/-	13-02-2024 ते 20-02-2024 कार्यालयीन वेळेत	दि.22-02-2024 दुपारी 12.00 वाजता.
7	झिलंगपाटी अंगणवाड़ी क्र2 किचन शेड बांधकाम.	पेसा 2022-2023	120000/-	1200/-	400/-	13-02-2024 ते 20-02-2024 कार्यालयीन वेळेत	दि.22-02-2024 दुपारी 12.00 वाजता.
8	गड़गामालुर येथे चावड़ी ओटा बांधकाम करणे	पेसा 2022-2023	143282/-	1400/-	500/-	13-02-2024 ते 20-02-2024 कार्यालयीन वेळेत	दि.22-02-2024 दुपारी 12.00 वाजता.
9	झिलंगपाटी येथे चावड़ी ओटा बांधकाम करणे	पेसा 2022-2023	120000/-	1200/-	500/-	13-02-2024 ते 20-02-2024 कार्यालयीन वेळेत	दि.22-02-2024 दुपारी 12.00 वाजता.
10	तातरा येथे पाणवठा बांधकाम करणे	15वां वित्त आयोग 2023-24	190000/-	1900/-	500/-	13-02-2024 ते 20-02-2024 कार्यालयीन वेळेत	दि.22-02-2024 दुपारी 12.00 वाजता.
11	झिलंगपाटी येथे पाणवठा बांधकाम करणे	15वां वित्त आयोग 2023-24	190000/-	1900/-	500/-	13-02-2024 ते 20-02-2024 कार्यालयीन वेळेत	दि.22-02-2024 दुपारी 12.00 वाजता.
12	गड़गामालुर येथे पाणवठा बांधकाम करणे	15वां वित्त आयोग 2023-24	190000/-	1900/-	500/-	13-02-2024 ते 20-02-2024 कार्यालयीन वेळेत	दि.22-02-2024 दुपारी 12.00 वाजता.

टिप :-

1. निविदेच्या अटी व शर्ती ग्राम पंचायत कार्यालयात तातरा येथील नोटिस बोर्ड वर पहावयास मिळतील.
2. निविदा बंद लिफाफा मध्ये स्वीकारण्यात येईल.
3. निविदा स्वीकारण्याचा किंवा काही कारणास्तव रद्द करण्याचा अधिकार ग्राम पंचायतने राखून ठेवलेला आहे.

सरपंच/सचिव
ग्राम पंचायत तातरा
पं.स.धारणी, जि.प.अमरावती.

विश्वास,पारदर्शिता,समर्पण है अभिनंदन अर्बन बैंक की सफलता का राज,बेहतरीन समन्वय है कामयाबी का राज

क़ैप्टन एड. विजय बोथरा के नेतृत्व में रचा है कई इतिहास, सभी संचालक रहते हैं एक साथ

विदर्भ स्वाभिमान, 7 जनवरी

अमरावती - वर्तमान दौर में किसी की जेब से दो पैसे निकालना सबसे चुनौती भरा काम है. लेकिन विश्वास बनने के बाद वही व्यक्ति अगर आपको सहयोग देने उतावला होता है तो यह आपकी सबसे बड़ी कमाई है. शहर ही नहीं तो पारदर्शी कार्यप्रणाली और विश्वसनीयता के मामले में ग्राहकों का दिल जीतने वाली अभिनंदन अर्बन को-ऑपरेटिव बैंकग के मामले में यह फार्मूला लागू होता है. किसी भी क्षेत्र में प्रगति के लिए ईमानदारी से किया गया प्रयास, सभी का साथ, सभी की सोच के साथ ही सभी का समर्पण जरूरी होता है. इसके अभाव में न तो परिवार प्रगति कर सकता है और न ही कोई संस्थान ही प्रगति कर सकता है. लेकिन अगर सभी में समझदारी, सभी में एकता तथा एक-दूसरे के कंधे से कंधा लगाने वाली सोच हो तो परिवार हो, संस्था हो अथवा बैंक निश्चित ही इसकी कामयाबी को कोई भी रोक नहीं सकता है. इस बात को साबित किया है अमरावती जिले ही नहीं बल्कि पारदर्शी प्रशासन, संचालकों की आमसहमति, कर्मचारियों के मेहनतऔर समर्पण के बलबूते कई दर्जन प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त करने वाली अभिनंदन अर्बन सहकारी बैंक. संचालकों में जहां बैंक को ऊंचाईयों पर पहुंचाने की होड़ है, वहीं दूसरी ओर बैंक के अध्यक्ष एड. विजय बोथरा, प्रबंधन समिति के अध्यक्ष सुदर्शन गांग के साथ ही सभी संचालकों की जी-जान से मेहनत और अपने स्तर पर किये जाने वाले प्रयासों के कारण सहकारिता क्षेत्र की यह बैंक शान बनी है.

इस बारे में बैंक के प्रबंधन समिति के अध्यक्ष सुदर्शन गांग बताते हैं कि अभिनंदन बैंक केवल बैंक ही नहीं बल्कि संचालकों, बैंक कर्मचारियों और सभी ग्राहकों की एक ऐसी परिवार है, जिनका प्रयास केवल और केवल बैंक की प्रगति की सोचके लिए प्रयास रहता है. पद की बजाय वहां समर्पित होकर काम करने की स्पर्धा लगती है. यह बैंक सरकारी नियमों का जितनी कड़ाई से पालन करती है, उतनी ही कर्ज देने और वसूली के मामले में भी पारदर्शी रहती है. किसी भी बैंक का ग्रास एनपीए 0.88 फीसदी नहीं रहता है लेकिन परिवार से लेकर सार्वजनिक तौर पर भी सहकारिता का अभाव दिखाई देता है. लेकिन अभिनंदन बैंक इसका अपवाद है. यहां स्थापना से लेकर अभी तक संचालकों की समझदारी की जितनी सराहना की जाए,कम है. अध्यक्ष, उपाध्यक्ष पद के चयन से लेकर सभी फैसले आमसहमति से लिये जाते हैं. पारदर्शी कामकाज का तरीका इतना है कि संचालक कर्ज वसूली के लिए स्वयं कर्मचारियों के साथ जाने में भी संकोच नहीं करते हैं. संचालकों की निस्वार्थ, समर्पित प्रयास, सीईओ देठे के नेतृत्व में अधिकारियों, कर्मचारियों की मेहनत ने बैंक को आसमानी बुलंदी पर पहुंचा दिया है. इसके सभी संचालक जिले की जानी-मानी हस्ती रहने के बाद भी पूरी तरह से समर्पित होकर बैंक में काम करते हैं.

अभिनंदन बैंक को अभी तक कई दर्जन पुरस्कार उसके विश्वास, ग्राहक सेवा और उपलब्धियों के लिए मिल चुके हैं. बैंक की स्वयं के अभिनंदन हाइट्स बनकर तैयार है. शीघ्र ही इसमें से बैंक का कामकाज शुरू होगा. 9वीं वरूड़ शाखा भी तरक्की के नए रिकार्ड बनाएगी, इससे कोई भी इंकार नहीं कर सकता है.

बैंक की शानदार प्रगति के कर्णधार हैं यह सभी

सहकारिता क्षेत्र सहित कई दर्जन पुरस्कारों से नवाजी गई है बैंक, सबके साथ से हो रहा है बैंक का तेजी से विकास

कर्मयोगी कर्मचारी,नियमों, कानूनों के मामले में विशेषज्ञ मुख्य कार्यकारी अधिकारी शिवाजी देठे, डिप्टी सीईओ अनिल उगले, सभी प्रबंधकों के साथ ही सभी कर्मचारियों के संयुक्त प्रयासों के कारण ही बैंक ने आज आसमानी बुलंदी हासिल की हैं. कहते हैं कि बिना सहकार नहीं उद्धार वाली स्थिति होती है. आज

सभी के साथ से हो रहा है बैंक का विकास-सुदर्शन गांग

बैंक की 8 शाखाओं के बेहतरीन संचालन के बाद वरूड़ में 9वीं शाखा का लोकार्पण 9 फरवरी को हो रहा है. इस माध्यम से 25 साल में बैंक द्वारा बनाई गई प्रतिमा, अर्जित विश्वास अध्यक्ष एड. विजय बोथरा के साथ ही सभी संचालकों की सोच,अधिकारियों , कर्मचारियों की मेहनत और सभी के साथ का प्रमाण है. स्वयं की बहुमंजिला बिल्डिंग तैयार है. आज सहकारिता के अभाव में जहां विदर्भ की हालत खराब है, वहीं दूसरी ओर ईमानदारी, समर्पण हो तो इस क्षेत्र को किस तरह आसमानी बुलंदी पर पहुंचाया जा सकता है, इसका उदाहरण अभिनंदन बैंक की कामयाबी है. रिजर्व बैंक, सहकार विभाग के सभी मापदंडों पर जहां बैंक खरी उतरी है, वहीं विश्वास बनाया है. बैंक को बुलंदी पर पहुंचाने का श्रेय सभी क़ो देते हैं.कामयाबी के कर्णधारों में हुकुमचंद पा. डागा,एड. विजय बोथरा, डॉ. सुरेन्द्र एस. बरडिया, सुदर्शन गांग, राजेन्द्र सिंघई जैन, राजेन्द्र भंसाली, कंवरीलाल ओस्तवाल, किशोर बोकरिया, गौरव रा. लुणावत, नवीन पा. चोरडिया, सौ. सरला वि. भंसाली, श्रीमती किरण मि. जैन, अरूण कडू, सुनील सरोदे तथा शंकर शिंदे का समावेश है. जबकि बैंक की प्रशासनिक कमान मुख्य कार्यकारी अधिकारी शिवाजी देठे, उप कार्यकारी अनिल उगले, बैंक प्रबंधकों द्वारा संभाली जा रही है.विदर्भ स्वाभिमान परिवार बैंक की उत्तरोत्तर प्रगति की कामना करता है.

विकास क़े साथ ही जनहित रहता है मेरी प्राथमिकता

ज़नता ही रहती है मेरी सदैव गॉडफादर, इसलिए उसकी सेवा ही रहती है मेरी प्राथमिकता, जनता का साथ और प्यार ही मेरी असली ताकत

प्रतिनिधि, 7 ज़नवरी

अमरावती- मेरी सबसे बड़ी ताकत जनता होती है. उसके लिए मैं कभी कुछ भी करने में संकोच नहीं करता हूं. वही मेरी असली गॉडफादर होती है. राजनीति के साथ ही समाजसेवा और जनहित के कामों में मुझे सदैव उत्साह रहता है. जनता ने ही जो कुछ दिया है, उसमें से जितना संभव होता है, मेरे तक आने वाले हर व्यक्ति की मदद करने का प्रयास करता हूं, इस आशय का मत बडनेरा के दबंग विधायक रवि राणा ने व्यक्त किया.

विदर्भ स्वाभिमान से बातचीत क़रते हुए उन्होंने बताया कि बचपन की गरीबी वे कभी नहीं भूलते हैं, यही कारण है कि गरीबों के प्रति उनके दिल में अपार सम्मान और प्रेम है. संघर्षों से जूझते हुए अमरावती ही नहीं तो विभिन्न जनसेवी उपक्रमों, जनता, किसानों, दीन-दलितों और पीड़ितों के लिए सदैव आवाज उठाने वाले जननायक विधायक के रूप में बडनेरा के दबंग विधायक और युवा स्वाभिमान पार्टी के संस्थापक प्रमुख रवि राणा की ख्याति है. आज के दौर में संवेदनशीलता के मामले में सबसे हटकर रहने वाले नेता के रूप में उनकी ख्याति है. लोगों के लिए किसी भी स्तर तक उतरने में जहां सुस्ती नहीं करते हैं, वहीं दूसरी ओर किसानों, लोगों की भावनाओं के मामले में सदैव अग्रणी रहते हैं. यही कारण है कि उनके जैसी लोकप्रियता बाकी में नहीं देखी जाती है. इसका सबूत सुबह से लेकर रात तक उनके घर पर

उमड़ने वाली भीड़ है. लेकिन कोई भी निराश नहीं जाता है. वे स्वयं भी कहते हैं कि दुवाओं ने ही उन्हें यहां तक पहुंचाया है. जीवन में धन दौलत कमाई जा सकती है लेकिन खोया गया विश्वास,अपनापन कभी नहीं कमाया जा सकता है.बडनेरा में विधायकी की हैट्रिक आसान नहीं है. लेकिन यह उन्होंने कर दिखाया है. यही कारण है कि आज उनके लिए लाखों लोग सदैव तैयार रहते हैं. लोगों का प्यार पाने के साथ ही विश्वास जीतने में भी कामयाब रहते हैं. विरोधियों द्वारा उनके लिए बिछाए गए कांटे, कब फूल बन जाते हैं, इसका पता नहीं चलता है. इसलिए सदैव अच्छे काम करने का प्रयास करना चाहिए.माता-पिता को जीवन में अत्याधिक महत्व देने वाले रवि राणा की सादगी, सेवा समर्पण, गरीब से गरीब व्यक्ति को गले लगाने वाली अदा उन्हें लाखों के दिलों में रखती है. जनता के लिए कुछ भी करने के लिए तत्पर रहने वाले विधायक के रूप में उन्हें पूरा देश जानता है.

विधायक रवि राणा के मुताबिक जनता के साथ ही पार्टी कार्यकर्ता उनके लिए जान न्योछावर करने वाले हैं. यही कारण है कि कार्यकर्ता उनके लिए सबसे महत्वपूर्ण होते हैं. उनके हर सुख और दुःख में वे गर्व के साथ साथ खड़े रहते हैं. संबंधों को किस तरह निभाना चाहिए, इसका आदर्श उदाहरण रवि राणा को कहना गलत नहीं होगा.जिले ही नहीं बल्कि पूरे विदर्भ में तेजी से पार्टी की लोकप्रियता और मजबूती बढ़ रही है.

हर घर में हो यह किताब

माता-पिता की उपेक्षा करने वाले घर में कभी शांति, सम्पन्नता नहीं रह सकती है. यदि रही भी तो आत्मिक सुकून बिल्कुल नहीं रहता है. आदर्श विचार जीवन में खुशी का केन्द्र रहते हैं. ऐसे में माता-पिता की सेवा के महत्व, उससे होने वाले चमत्कार, माता-पिता की सेवा नहीं करने के परिणाम को दिखाने का प्रयास इस किताब में किया गया है. बच्चों में बेहतरीन संस्कार के लिए यह जरूरी है.संस्कार का जीवन में कितना महत्व है, इस पर किताब में प्रकाश डाला गया है. प्राप्ती के लिए संपर्क करें. कीमत केवल 125 रूपए. जिस घर में माता-पिता हंसते हैं, भगवान वहीं पर बसते हैं.आजमाकर देखें.

मो. 9423426199/8855019189

सेवाभावी व्यक्तित्व हैं राजेन्द्र पेलागड़े, भक्ति में भी अग्रणी

7 फरवरी को जन्मदिन पर विशेष

शहर के प्रतिष्ठित नागरिक एवं स्थानीय श्री गणेश कॉलोनी निवासी राजेन्द्र पेलागड़े जितने बेहतरीन व्यक्तित्व हैं उतने ही अच्छे सेवाभावी व्यक्तित्व हैं. सामाजिक कामों के साथ ही श्री संकटमोचन हनुमान मंदिर से वर्षों से जुडे रहने के साथ ही धार्मिक कामों में भी सदैव अग्रणी रहते हैं. पत्नी जहां आदर्श शिक्षिका हैं, वहीं दूसरी ओर बेटे ने भी पिता के आदर्श विचारों पर चलते हुए राजनीति के क्षेत्र में अपना नाम चमकाया है. राजेन्द्र पेलागड़े की सादगी, उनकी विनम्रता किसी को भी प्रभावित कर सकती है. सुबह वे जहां घूमने के लिए जाते हैं, वहां भी मित्रों का बड़ा परिवार उनका इंतजार करता है. उनके सेवाभावी स्वभाव के कारण हजारों मित्र परिवार उन्होंने तैयार किया है. शहर में सामाजिक कामों में आगे रहने के साथ ही वे सदैव सेवाभावी कामों में भी अग्रणी रहते हैं.कोरोना महामारी के दौरान राजेन्द्र पेलागड़े द्वारा लगातार लोगों को बचाव के बारे में मार्गदर्शन किया गया,वहीं शहर में रक्तदान, मास्क वितरण, साफ-सफाई, कोरोना जनजागृति अभियान के साथ ही अनेक उपक्रमों में सदैव सहभागी होते हैं. जनसमस्याओं के निराकरण के लिए भी सदैव सक्रिय रहते हैं. न्यू गणेश कॉलोनी में भी जनसमस्याओं को लेकर सदैव सतर्क रहते हैं. इसके चलते पूरी नगरी में अपार लोकप्रियता उन्हें मिली है. सीताराम परिवार के सदस्य के साथ ही उन्होंने सदैव सेवाभावी और धार्मिक कामों में योगदान दिया है. मिलनसार, सुस्वभावी तथा सफल व्यक्तित्व के साथ ही सामाजिक कामों में अग्रणी व्यक्ति हैं. उनकी विनम्रता किसी को भी प्रभावित करती है. उसके मुताबिक लोगों की समस्याओं के निराकरण के लिए वह सदैव तत्पर रहते हैं.हरदिलअजीज व्यक्तित्व श्री राजेंद्र पेलागड़े का 7 फरवरी को जन्मदिन था,हजारों ने उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दी. सभी के प्रेम और आत्मीयता के प्रति कृतज्ञता जताते हुए सदैव यही प्रेम मिलने का विश्वास जताया. हमारी उन्हें करोड़ों हार्दिक शुभकामनाएं.श्री संकटमोचन हनुमान मंदिर में आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों में राजेन्द्रभाऊ की सक्रियता देखने लायक रहती है. नेक कामों से खुशी मिलती है.

विदर्भ स्वाभिमान परिवार.

गुरूवार 2 नवंबर से 9 नवंबर 2023

मेष

इस राशि के लोगों के लिए नया साल आशा आकांक्षाओं को प्रफुल्लीत करने वाला साबित होगा. माता-पिता का आशिर्वाद असंभव को भी संभव करा सकता है.

वृषभ

नई योजनाओं, स्पर्धा परीक्षा तथा नए व्यवसाय में कामयाबी मिल सकती है. भावी योजनाओं के लिए पूरी ईमानदारी से काम करेंगे.

मिथुन

अपनों से प्रेम ही आपकी प्रगति का माध्यम बन सकता है. यह स्थिति कैरियर के लिए नुकसानदेह हो सकती है. छात्रों को स्पर्धा परीक्षा के लिए की गई मेहनत का फायदा मिलने वाला है.

कर्क

आय देखकर व्यय करने से ही कई समस्याओं का समाधान हो सकता है. आपसी सहमति नहीं बनने से कार्यस्थल पर विरोधाभासी स्थिति बन सकती है. धार्मिक यात्रा हो सकती है.

सिंह

सप्ताह खुशियों वाला रहेगा. नाहक के विवाद से बचने का प्रयास करना श्रेयस्कर होगा. लीक से हटकर चलना फिलहाल जोखिमपूर्ण है.

कन्या

विरोधी साजिश में फंसाने का प्रयास कर सकते हैं. ऐसे में सतर्कता बरतना जरूरी है. संयम से काम लेना उचित रहेगा. क्रोध से बचना आपके लिए लाभदायी होगा.

तुला

घर और कार्यालय के बीच तालमेल बिठाना जरूरी होगा. किसी से विवाद नहीं करना ही इस समय श्रेयस्कर है.

वृश्चिक

दूसरों को प्रभावित करने के लिए स्वभाव में बदलाव का प्रयास करेंगे. निश्चित कामों में सफलता मिलने की संभावना है. प्रयासों की निरंतरता जरूरी.

धनु

गुस्से से बना बनाया काम बिगड़ सकता है. विनयशीलता और प्रेम से काम लेने का प्रयास करें. वाहनादि धीरे से चलाएं.

मकर

घर के बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर ध्यान दें. समय रहते कदम उठाना उचित रहेगा. अपनों से विवाद टालें.

कुंभ

नए साल में प्रगति का योग है. अपनों का साथ मिलना श्रेयस्कर रहेगा. समय का महत्व समझें.

मीन

दौड़धूप कर रास्ते में आने वाली मुश्किलें दूर हो सकती हैं. व्यापारिक विस्तार की संभावना बढ़ रही है.

सीताराम परिवार के सदस्य, सेवाभावी व्यक्तित्व

पेलागड़े को जन्मदिन पर करोड़ों मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं. आप स्वस्थ रहे, मस्त रहें, संकटमोचन हनुमानजी के चरणों में यही कामना.

विदर्भ स्वाभिमान

विज्ञापन सहयोगी चाहिए

विदर्भ में तेजी से लोकप्रिय आचार-विचार और संस्कारों को बढ़ावा देने वाले विदर्भ स्वाभिमान को विज्ञापन सहयोगी की आवश्यकता है. बाजार पर पकड़ रखने वाले और आर्थिक मजबूती के साथ ही संभाषण कला में निपुण युवक-युवतियां संपर्क करें. काम के आधार पर मानधन और उनके द्वारा किए गए व्यवसाय पर कमीशन भी दिया जाएगा. मेहनती तथा काम के प्रति जिद्दी युवक-युवतियां ही संपर्क करें.

संपर्क का समय सुबह 10-12 बजे

मोबाइल 9423426199

जितेंद्र गवळी

Mob: 8857065788

इलेक्ट्रीक

प्लम्बींग

कलरींग

संपुर्ण कामे योग्य दरात केल्या जाईल.

पत्ता: बालाजी नगर, पुष्पक कॉलनी, ठाकुर यांच्या दवाखाण्या जवळ, अमरावती.

भक्ति,सेवा,समर्पण का संगम है शेगांव नगरी

मानव सेवा की जलाई है अलख, सेवाधारियों की विनम्रता जीतती है भक्तों का दिल

निःस्वार्थ भाव से किया गया काम हमेशा सम्मान और बढ़त दिलाता है. यह बात संत नगरी शेगांव के श्री गजानन महाराज संस्थान पर पूरी तरह से फिट बैठती है. करोड़ों का लेन-देन जिस तरह से पारदर्शी तरीके से होता है, सेवा के साथ ही भक्ति और समर्पण का अनूठा संगम यहां दिखाई देता है. कहते हैं कि अगर कुछ दिल से करने की इच्छा हो, निस्वार्थ भाव और समर्पण हो तो निश्चित ही वह काम सदैव उदाहरण बनता है. कुछ इसी तरह का इतिहास संतनगरी तथा संत श्री गजानन महाराज के पावन चरणों से पुनीत हुई धार्मिक नगरी के साथ ही विश्वस्तर पर सेवाभाव के लिए आदर्श उदाहरण बना श्री गजानन महाराज महाराज संस्थान. धार्मिकता के साथ ही समाजसेवा की जो अलख इस नगरी ने जलाई है, संस्थान के पदाधिकारियों का समर्पण, सदैव नेक सोच के कारण संस्थान का विश्वव्यापी गुणगान और यहां रोज हजारों के भोजनदान के साथ ही उच्च शिक्षा के साथ ही बेहतरीन स्वास्थ्य सेवा सहित अन्य क्षेत्रों में जिस तरह से प्रतिष्ठान ने सफलता प्राप्त की है, वह अपने आप में किसी चमत्कार से कम नहीं है. देश में अगर इस संस्थान जैसे कुछ हजार संस्थान भ्रष्टाचार मुक्त होकर सेवाभाव करने लगें तो आधी से ज्यादा समस्याओं का समाधान वैसे ही हो जाए. गरीबों, दिव्यांगों, मजबूरों की सहायता के साथ ही संस्थान द्वारा भारत में जहां भी शाखाएं खोली गई हैं, भवन बनाए गए हैं, उनकी शानदार व्यवस्था कईयों के लिए किसी चमत्कार से कम नहीं रहती है. कोई धार्मिक संस्थान बेरोजगारी को खत्म करने का बेहतरीन माध्यम किस तरह साबित हो सकता है, यह भी इस संस्थान से सीखना चाहिए. संतश्री गजानन महाराज के पावन चरणों से पुनीत श्री शेगांव नगरी की ख्याति जैसे विश्वभर में है, वैसे ही संस्थान का प्रबंधन सभी के लिए किवदंती बना है. कोरोना महामारी के दौरान भी संस्थान द्वारा जिस तरह से भोजनदान से लेकर मरीजों को बेहतरीन सेवा की गई, वह अपने आप में किसी उदाहरण से कम नहीं है. शेगांव जहां विदर्भ,राज्य के साथ ही देश के लिए शान है, वहीं दूसरी ओर इसका अनुकरण अगर सभी संस्थान करने लगें तो देश के विकास में योगदान के साथ ही किसी को भी भूखे पेट सोने की जरूरत नहीं पड़ेगी. वैसे भी यह पहला संस्थान है, जो पारदर्शी कार्यप्रणाली के लिए जाना जाता है. शेगांव तीर्थ क्षेत्र है. कोई धार्मिक क्षेत्र भी किस तरह स ा सेवा के साथ ही हर क्षेत्र के विकास की गंगा बहा सकता है, इसका उदाहरण शेगांव का संतश्री गजानन महाराज संस्थान है. न केवल भारत बल्कि समूचे विश्व में यहां के प्रबंधन को लेकर चर्चा होती है.अमेरिका जैसे देश के विशेषज्ञ यह पता लगाने आते हैं कि इतना व्यापक काम रहने के बाद भी किस तरह से पारदर्शक कामकाज चलता है. स्व.शिवशंकर पाटिल के इस कुशल प्रबंधन को लोग चमत्कार मानते थे. धार्मिकता के माध्यम से किस तरह लोगों की सेवा, शिक्षा कार्यक्रम किया जा सकता है, इसका अनुभव इस संस्थान के माध्यम से आता है. पिछले दिनों शेगांव खेल के क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय साख बनाने जा रहा है. यहां पर आधुनिकतम अंतर्राष्ट्रीय स्तर के स्टेडियम का काम शुरू किया गया है. यह स्टेडियम संतश्री गजानन महाराज संस्थान द्वारा संचालित अभियांत्रिकी महाविद्यालय के पीछे की टेकड़ी को खोदकर बनाया जाने वाला है. संस्थान के सभी पदाधिकारी, समर्पित सेवाधारी और हर वह व्यक्ति अभिनंदन का पात्र है. साथ ही आदर्श उदाहरण भी हैं.

गुणवत्ता विश्वसनीयता तत्पर सेवा

शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबे, रजिस्टर, नोटबुक्स, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें,बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.

--संपर्क--

प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.

सन 1967 पासून

अमरावती शहरात वाजवी दरात सर्वात जास्त प्लाटस्चे सौदे करणारे एकमेव इस्टेट एजंट

संजय एजंसीज्

टाऊन हॉल समोर, नेहरू मैदान,अमरावती.

फोन 2564125,2674048

राजपुरोहित डिजिटल स्टुडियो

फोटोग्राफी की आधुनिकतम साज-सज्जा के साथ ही रियायती कीमत में बेहतरीन गुणवत्ता की विडियो शूटिंग के लिए शहर ही नहीं तो समूचे विदर्भ में एकमात्र विश्वसनीय केन्द्र.फोटोग्राफी, विडियो शूटिंग के साथ अलबम के काम किए जाते हैं.

राजपुरोहित फोटो स्टुडियो

कृष्णार्पण कॉलोनी, संत लहानुजी महाराज मंदिर के पास,अमरावती.अमरावती.

मो.9028123251

विदर्भ स्वाभिमान

विज्ञापन सहयोगी चाहिए

विदर्भ में तेजी से लोकप्रिय, आचार-विचार और संस्कारों को बढ़ावा देने वाले विदर्भ स्वाभिमान को विज्ञापन सहयोगी की आवश्यकता है. बाजार पर पकड़ रखने वाले और आर्थिक मजबूती के साथ ही संभाषण कला में निपुण युवक-युवतियां संपर्क करें. काम के आधार पर मानधन और उनके द्वारा किए गए व्यवसाय पर कमीशन भी दिया जाएगा. मेहनती तथा काम के प्रति जिद्दी युवक-युवतियां ही संपर्क करें.

संपर्क का समय सुबह 10-12 बजे

मोबाइल 9423426199

मत बुरा कर्म कर बंदे, वर्ना पछताएगा

प्रभु ने हमें जो आदर्श जीवन दिया है, यह केवल हमारे लिए ही नही है. बल्कि इस जीवन का हम किस तरह स्वयं के कल्याण के साथ ही मानव कल्याण के लिए यथासंभव उपयोग करते हैं. ज़ो जीवन में केवल अपने लिए ही जीते हैं, उनमें और पशुओं में कोई अंतर नही होता है. लेकिन जो गरीबों, जरूरतमंदों को अपनी क्षमता के मुताबिक मदद देने का काम करते हैं, प्रभु सदैव उनकी झोली खुशियों से भर देता है. इसलिए भाव के साथ देव का विश्वास रखते हुए सदैव अच्छा करने का प्रयास करें. किसी के साथ छल करने के बाद अपने साथ वैसा ही छल होगा, यह निश्चित मानकर चलें. बुरा करनेवाले को उसका दंड भुगतना ही पड़ता है.

विदर्भ स्वाभिमान

RNI NO. MAHHIN / 2010 /43881

संपादक : सुभाषचंद्र दुबे

प्रबंधक : सौ. विणा एस. दुबे

❖ अमरावती, गुरूवार 30 नवंबर से 6 दिसंबर 2023 ❖वर्ष :14 ❖ अंक- 23 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य - 4/- पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2022-2024 ❖डाक : शुक्रवार-शनिवार

समूचे भारत में माता-पिता की सेवा के महात्म्य और उनके आशिर्वाद की महत्ता को बढ़ावा देने वाले, भारतीय संस्कृति, धर्म और सामाजिक अच्छाईयों को समर्पित तथा इसे ही बढ़ावा देने के संकल्प के साथ 14 वर्षों से पत्रकारिता का गौरव बढ़ाने वाला एकमात्र समाचार पत्र. मानवता की सेवा, पशुओं की रक्षा के साथ ही बच्चों पर आदर्श संस्कार के लिए प्रयासरत है. आप भी माता-पिता की सेवा से जुड़े अपने विचार हमें भेज सकते हैं. मानवता की सेवा वाले प्रसंगों को भी प्रकाशित करेंगे.

बाबूजी कहते थे कि घर को चलाने का काम पिता करता है. लेकिन आदर्श पीढ़ी के निर्माण की जिम्मेदारी मां पर होती है. लेकिन जब पिता तो अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभाता है लेकिन आधुनिकता के साए में महिलाओं द्वारा बच्चों पर ध्यान नहीं दिया जाता है तो निश्चित तौर पर पीढ़ी के निर्माण की दिक्कत होती है. संस्कारों के अभाव में ही बुढ़ापे में माता-पिता पर वृद्धाश्रम जाने की नौबत आती है. इसलिए धन कम रहा तो चलेगा, संस्कार मजबूत होना चाहिए.

सुभाषचंद्र जे. दुबे, संपादक-विदर्भ स्वाभिमान, 9423426199/8855019189

विज्ञापन, आजीवन सदस्य बनने के लिए संपर्क करें

हमारा पता-विदर्भ स्वाभिमान श्रीहरी भवन, छाया कॉलोनी, गजानन महाराज मंदिर के पीछे, जाधव आटा चक्की तथा विदर्भ स्वाभिमान गल्ली, अमरावती.

मोबाइल 9423426199/8855019189/8208407139

Email-vidarbh.swabhiman@gmail.com